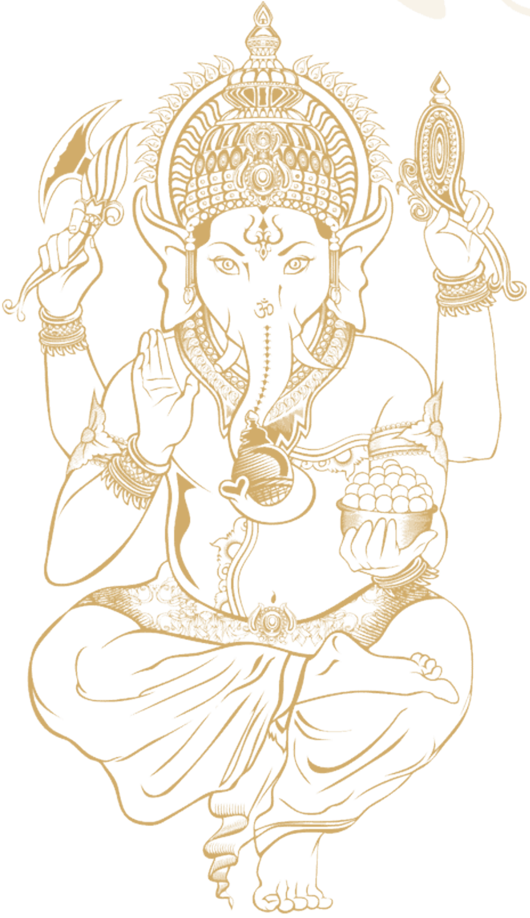

Vedika jain

13 Apr 2015

04:14 PM

Patna

Model: Baby-Horoscope

Order No: 121140901

तिथि 13/04/2015 **समय** 16:14:00 **वार** सोमवार **स्थान** Patna **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:04:16
अक्षांश 25:37:00 उत्तर **रेखांश** 85:12:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:10:48 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	05:50:01 घं
वेलान्तर	00:00:39 घं
सूर्योदय	05:29:14 घं
सूर्यास्त	18:10:55 घं
चैत्रादि संवत	2072
शक संवत	1937
मास	वैशाख
पक्ष	कृष्ण
तिथि	9
नक्षत्र	श्रवण
योग	साध्य
करण	गर

अवकहड़ा चक्र

गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खुशी
पाया(रा.-न.)	रजत-ताम्र
होरा	मंगल
चौघड़िया	लाभ

विंशोत्तरी

चन्द्र 5वर्ष 6मा 30दि
मंगल
11/11/2020
12/11/2027

मंगल	10/04/2021
राहु	28/04/2022
गुरु	04/04/2023
शनि	13/05/2024
बुध	10/05/2025
केतु	06/10/2025
शुक्र	06/12/2026
सूर्य	13/04/2027
चन्द्र	12/11/2027

योगिनी

मंगला 0वर्ष 6मा 21दि
भद्रिका
02/11/2024
03/11/2029

भद्रिका	14/07/2025
उल्का	14/05/2026
सिद्धा	04/05/2027
संकटा	13/06/2028
मंगला	03/08/2028
पिंगला	12/11/2028
धान्या	14/04/2029
भ्रामरी	03/11/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			03:40:46	कन्या	उ०फाल्गुनी	3	सूर्य	शनि	---	0:00			
सूर्य			29:07:11	मीन	रेवती	4	बुध	शनि	मित्र राशि	1.58	आत्मा	पितृ	साधक
चंद्र			15:53:21	मक	श्रवण	2	चंद्र	शनि	सम राशि	1.34	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल			15:19:16	मेष	भरणी	1	शुक्र	शुक्र	स्वराशि	1.66	मातृ	भ्रातृ	मित्र
बुध		अ	02:45:41	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	सम राशि	0.84	कलत्र	ज्ञाति	वध
गुरु			18:33:16	कर्क	आश्लेषा	1	बुध	बुध	उच्च राशि	1.16	अमात्य	धन	साधक
शुक्र			08:02:00	वृष	कृतिका	4	सूर्य	शुक्र	स्वराशि	1.19	ज्ञाति	कलत्र	अतिमित्र
शनि	व		10:08:17	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	शुक्र	शत्रु राशि	1.32	पुत्र	आयु	प्रत्यारि
राहु			15:51:39	कन्या	हस्त	2	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण		---	ज्ञान	जन्म
केतु			15:51:39	मीन	उ०भाद्रपद	4	शनि	गुरु	मूलत्रिकोण		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

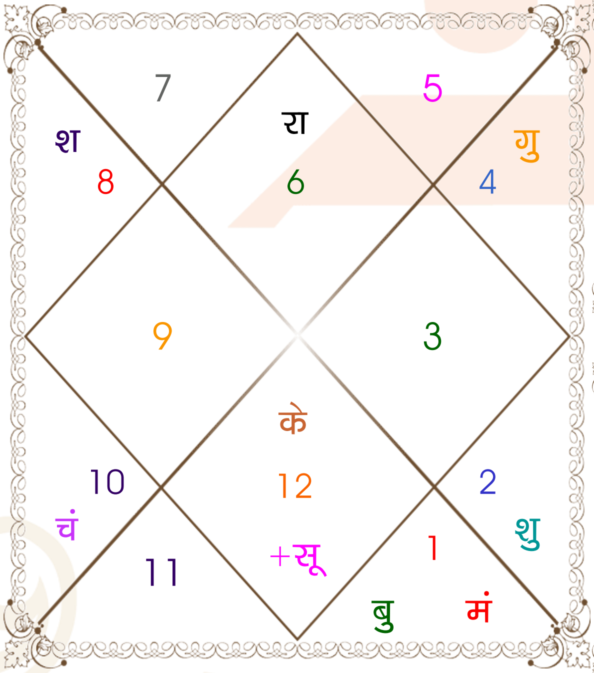

चन्द्र कुंडली

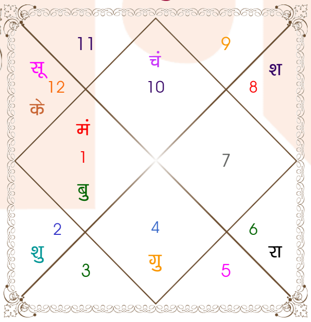

नवमांश कुंडली

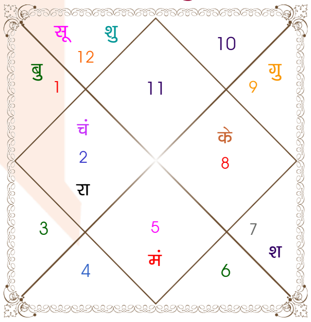

सर्वाष्टकवर्ग

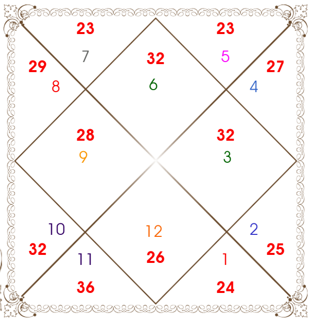

दशमांश कुंडली

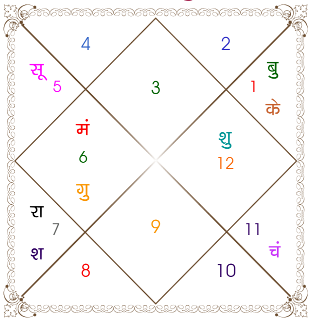

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

नक्षत्रफल

आप श्रवण नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न हुई हैं। अतः आपकी जन्मराशि मकर तथा राशिस्वामी शनि होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी नाड़ी अन्त्य, गण देव, वर्ग मार्जार, वर्ण वैश्य तथा योनि वानर होगी। नक्षत्र के द्वितीय चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "खु" या "खू" अक्षर से होगा।

आपको शास्त्रीय ज्ञान प्राप्त करने की तीव्र रूचि रहेगी तथा परिश्रमपूर्वक आप हमेशा ज्ञानार्जन करेंगी। आपके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी तथा सभी मित्रों से आप सहयोग एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी। साथ ही कन्यासंतति की अपेक्षा आपकी पुत्र संतति की संख्या अधिक रहेगी एवं इनके सुख को आप आजीवन प्राप्त करेंगी। सज्जन लोगों एवं विद्वानों के प्रति आपके मन में नित्य आदर तथा सम्मान का भाव रहेगा एवं आप नित्य उनकी सेवा करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में आप प्रायः सफल रहेंगी एवं आपके शत्रु आपसे सर्वदा भयभीत ही रहेगे। इसके अतिरिक्त आप धार्मिक ग्रंथों का श्रवण करने के लिए तथा यत्न पूर्वक सर्वदा तत्पर रहेंगी।

शास्त्रानुरक्तो बहुपुत्रमित्रः सत्पात्रभक्ति विजितारिपक्षः।
प्राणी पुराणश्रवण प्रवीणश्चेज्जन्मकाले श्रवणं हि यस्य।।
जातकाभरणम्

अर्थात् श्रवण नक्षत्र में उत्पन्न जातक शास्त्रों में सलंग्न, अधिक पुत्र और मित्रों वाला, सत्पात्रों का भक्त, शत्रुनाश करने वाला एवं पुराण श्रवण करने में तेज होता है।

देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा एवं पूजा का भाव विद्यमान रहेगा अतः आप हमेशा इनकी सेवा एवं पूजा कार्य में तत्पर रहेंगी। आप एक धनाढ्य महिला होंगी तथा सुखपूर्वक जीवन में इसका उपभोग करेंगी। इसके साथ ही अपनी योग्यता एवं बुद्धि के बल पर आप किसी उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिष्ठित पद को भी प्राप्त करने में सफल रहेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में गहन निष्ठा का भाव रहेगा तथा धार्मिक कृत्यों को भी आप समय समय पर सम्पन्न करती रहेंगी।

श्रावणायां द्विजदेवभक्तिनिरतो राजा धनी धर्मवान।
जातक परिजातः

अर्थात् श्रवण नक्षत्र में उत्पन्न जातक देवता तथा ब्राह्मणों की भक्ति में तत्पर रहने वाला, राजा, धनी तथा धर्मनिष्ठ होता है।

समाज में आप एक सम्माननीय महिला होंगी तथा सभी सामाजिक जन आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। शास्त्रों के विस्तृत ज्ञान होने के कारण आप एक विदुषी के रूप में ख्याति अर्जित करेंगी एवं दूर दूर तक लोग आपके विषय में जानेंगे। आपके मन में उदारता की भावना भी रहेगी अतः समाज में दीन दुःखियों तथा जरूरत मन्द लोगों को

आप यथा शक्ति तन मन धन से अपना हार्दिक सहयोग प्रदान करेंगी तथा इनकी सहायता भी करती रहेंगी। आपके पति एक धनाढ्य गुणवान एवं बुद्धिमान व्यक्ति होंगे। अतः आपका परिवारिक जीवन अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नता के साथ व्यतीत होगा।

शीमात्रछ्वणे श्रुतवानुदारदारो धनान्वितः ख्यातः।
बृहज्जातकम्

अर्थात् श्रवण नक्षत्र में उत्पन्न जातक लक्ष्मीवान, पंडित, सौन्दर्ययुक्त, गुणीभार्या का पति, धनी तथा विख्यात होता है।

आप कृतज्ञता के गुण से भी सुशोभित रहेंगी तथा अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर उनका उपकार स्वीकार करेंगी तथा हार्दिक आभार भी प्रकट करेंगी। इससे अन्य लोग आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। आपका शारीरिक सौन्दर्य भी दर्शनीय एवं आकर्षक रहेगा तथा अन्य लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। साथ ही आपकी सन्ततियां अधिक संख्या में उत्पन्न होगी तथा जीवन में आप सर्व गुणों से सम्पन्न रहकर सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी।

कृतज्ञः सुभगोदाता गुणैः सर्वैश्च संयुक्तः।
श्रीमान सन्तानबहुलः श्रवणे जायते नरः।।
मानसागरी

अर्थात् श्रवण नक्षत्र में जातक कृतज्ञ, सुन्दर, दानी, सर्वगुणसम्पन्न एवं अधिक सम्पत्ति वाला होता है।

रजत पाद में जन्म होने के कारण आपकी शारीरिक सुन्दरता दर्शनीय रहेगी तथा इसमें पूर्ण कोमलता तथा कान्ति भी विराजमान रहेगी। आपकी मुखाकृति अत्यन्त ही सुन्दर एवं आकर्षक रहेगी। आपका इन्द्रियों पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा तथा अनावश्यक इच्छाओं का आप में सर्वथा अभाव रहेगा। सत्य के प्रति आपकी पूर्ण निष्ठा रहेगी तथा प्रयत्न पूर्वक इसका पालन करती रहेंगी आपकी गति मधुर एवं आकर्षक रहेगी। जीवन में धन सम्पति तथा पुत्र से आप सुसम्पन्न तथा प्रसन्न रहेंगी। आपके पति पूर्ण रूप से आपका सम्मान करेंगे एवं अधिकांशतया मुख्य कार्यों को आपके कथनानुसार ही सम्पन्न करेंगे। आप सुशील एवं विभ्रम स्वभाव की महिला होंगी तथा धन संचय के प्रति भी आप पूर्ण रूप से यत्नशील रहेंगी। जीवन में समस्त सुखसंसाधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगी तथा सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के धनैश्वर्य से भी आप सम्पन्न रहेंगी। साथ ही आप एक बुद्धिमती महिला होंगी तथा अधिकांश सद्गुणों से सम्पन्न रहेंगी।

मकर राशि में उत्पन्न होने के कारण आपकी ऊंचाई अधिक होगी तथा मस्तक भी विस्तृत होगा। आपकी आखें देखने में अत्यन्त ही सुन्दर होंगी तथा शारीरिक सौन्दर्य भी आकर्षक रहेगा। संगीत के प्रति आपके मन में नैसर्गिक आकर्षण रहेगा तथा इसके विषय में आप विस्तृत ज्ञान प्राप्त करेंगी। ठण्ड से आप व्याकुलता की अनुभूति करेंगी एवं इसे सहन करने में अपने को सर्वथा असमर्थ समझेंगी। सत्य के प्रति आपके मन में अपूर्व निष्ठा रहेगी तथा

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

आप बाह्य रूप से प्रदर्शन के लिए ही धर्म के प्रति अपने श्रद्धा के भाव को प्रकट करेंगी एवं अन्य जनों के समक्ष इसका प्रदर्शन भी करेंगी। समाज के सभी वर्गो के मध्य आप एक आदरणीय महिला होंगी तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि भी रहेगी। आप कभी कभी अल्प मात्रा में क्रोध का भी प्रदर्शन करेंगी। समाज में सभी वर्गों के लोगों से आपका प्रेम एवं स्नेह युक्त परस्पर व्यवहार रहेगा। आप किसी से भी घृणा या द्वेष की भावना अपने मन में नही रखेंगी। आप अपनी आयु से अधिक आयु वाले व्यक्तियों से विशेष आकषिढत होंगी तथा उन्ही से अधिकांश मैत्री संबंध स्थापित करेंगी। लेखन कार्य में भी रूचिशील रहकर आप कविता सृजन में सफलता अर्जित कर सकेंगी। पूणोत्साह की भावना का आप में अभाव रहेगा तथा लालची प्रवृति होने के कारण कभी कभी आपके लिए अनावश्यक परेशानियां भी अकस्मात ही उत्पन्न होंगी।

गीतज्ञः शीतभीरूः पृथुलतरशिराः सत्यधर्मोपसेवी
प्रांशुः ख्यातोळल्परोषो मनसिभवयुतो निर्धृणस्त्यक्तलज्जः।।
चार्वक्षः क्षामदेहो गुरूयुवतिरतः सत्कविवृतजङ्घो
मन्दोत्साहोळतिलुब्धः शाशिनि मकरगे दीर्घकण्ठोळतिकर्णः।।
सारावली

आप अपने समस्त परिवार के पालन पोषण में अपना अधिकाँश समय व्यतीत करेंगी। साथ ही आपकी कमर पतली होगी। आपकी प्रवृति शीघ्र ही अन्य लोगों की बातों को मान जाने की होगी तथा कई बार उन्ही के कथनानुसार आप आचरण करने के लिए भी तत्पर हो जाएंगी। आप में आलस का भी प्रभाव रहेगा। अतः आपके कार्य शनैः शनैः ही सम्पन्न होंगे परन्तु भाग्य की प्रबलता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प परिश्रम से ही स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। यात्रा तथा भ्रमण की आप शौकीन रहेंगी तथा आपका अधिकांश समय इन्हीं पर व्यतीत होगा। शारीरिक बल आप में मध्यम रहेगा परन्तु आप एक साहसी महिला होगी। अतः अगम्य स्थानों एवं कठिन कार्यों को करने के लिए सर्वथा तत्पर रहेंगी। इसके अतिरिक्त वात जनित रोगों से आप व्याकुल रहेंगी एवं समय समय पर इनसे कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगी। साथ ही समस्त सद्‌गुणों से भी आप सम्पन्न रहकर जीवन व्यतीत करेंगी।

नित्यं लालयति स्वदारतनयान्धर्मध्वजोळधः कृशः।
स्वक्षः क्षामकटिर्गृहीतवचनः सौभाग्ययुक्तोळलसः।।
शीतालुर्मनुजोळटनश्च मकरे सत्वधिकः काव्यकृत्।।
लुब्धोडगम्यजराङ्गनासु निरतः सन्त्यक्तलज्जोळघृणः।।
बृहज्जातकम्

परिवार में आपको सामान्य सम्मान ही प्राप्त होगा परन्तु उसकी मर्यादा तथा रीति का अनुपालन करने तथा उसको आगे बढ़ाने में आपका विशेष योगदान रहेगा। अपने पति के ऊपर पूर्ण नियंत्रण रखने में आप सफल रहेंगी तथा वे सभी प्रमुख सांसारिक कार्यों को बिना आपकी सलाह या निर्देश के सम्पन्न नहीं करेंगे एवं स्वतंत्र निर्णय लेने में अपने आप को अत्यन्त ही असमर्थ समझेंगे। सज्जन एवं भद्रपुरुषों के द्वारा हमेशा आपकी प्रशंसा की जाएगी। माता के प्रति आपके मन में विशेष स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा। साथ ही पुत्र से युक्त

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

होकर आप सांसारिक जीवन सुखपूर्वक व्यतीत करेंगी। बन्धु वर्ग की आप प्रमुख सहयोगी होगी एवं उनकी हर तरह से सहायता करती रहेंगी। साथ ही आप धन सम्पति से सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगी एवं धनाढ्य कहलाएंगी। आपके मन में त्याग की भावना का भी समावेश रहेगा तथा समय समय पर आप अपनी इस भावना का जीवन में अनुपालन करती रहेंगी। आपके परिवार के सदस्यों की संख्या भी अधिक रहेगी एवं सुख के प्रति नित्य आपके मन में चिन्ता के भाव रहेंगे लेकिन उसकी प्राप्ति के लिए भी सुखसंसाधनों को एकत्रित करने के लिए नित्य प्रयत्नशील रहेंगी।

कुले नष्टो वशः स्त्रीणां पंडितः परिवादकः।
गीतज्ञो ललिताग्राहयो पुत्राढ्यो भातृवत्सलः।।
धनी त्यागी सुभृत्यश्च दयालुर्बहुबान्धवः।
परचिन्तितसौख्यश्च मकरे जायते नरः।।
मानसागरी

आपको अपने जीवन काल में किसी अन्य व्यक्ति, संबंधी या मित्र की धन सम्पति प्राप्त होगी तथा आप आनन्दपूर्वक इसका उपभोग करेंगी। समाज के अन्य जनों के विषय में भी आप चिन्तित रहेंगी तथा उनकी प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए भी प्रायः तत्पर रहेंगी। आप सलाह देने आदि कार्यों में भी निपुण होंगी तथा अन्य जन आपसे इस प्रवृति का लाभ उठाते रहेंगे। आप भाई बन्धुओं का भी पूर्ण रूप से लालन पालन करेंगी तथा सुख दुःख में उनका सहयोग करेंगी। इसके साथ ही आप में वीरता के गुणों की बहुलता रहेगी तथा साहस पूर्वक अपनी समस्याओं का समाधान करेंगी।

विलसति परनारीं लुब्धसम्पत्ति भोगी।
नरपतिरिव चिन्तो मंत्रवाद प्रशस्तः।।
कृशतनुरतियुक्तो बन्धुवर्गस्य भर्ता।
भवति मकरराशिर्दानवो वीरभावः।।
जातक दीपिका

गीत शास्त्र में आप विशेष योग्यता प्राप्त करेंगी एवं इस क्षेत्र में इच्छित सफलता एवं ख्याति भी अर्जित करेंगी। आपका शरीर कान्ति एवं लावण्यता से युक्त रहेगा तथा इससे आपकी सौन्दर्य वृद्धि होगी जिससे आपके प्रति अन्य जनो का आकर्षण बढ़ेगा।

कलितशीतभयः किल गीतवित्तनुरूषासहितो मदनातुरः।
निजकुलोत्तमवृतिकरः परं हिमकरे मकरे पुरुषो भवेत्।।
जातका भरणम्

देव गण में जन्म होने के कारण आपकी वाणी मधुर एवं उत्तम रहेगी। साथ ही आप सरल बुद्धि की महिला होंगी एवं सुगमता से अपने विचारों की अभिव्यक्ति करेंगी तथा सुगमता से अन्य के विचारों को ग्रहण करेंगी। अल्प मात्रा में सात्विक भोजन करना आपको अत्यन्त ही रूचिकर लगेगा। दूसरे लोगों के गुणों के विषय में आपको पूर्ण ज्ञान रहेगा तथा भले

बुरे की पहचान करने में भी आप सक्षम रहेंगी। आप स्वयं भी श्रेष्ठ विद्वानों द्वारा वर्णित सद्गुणों से सुसम्पन्न रहेंगी एवं जीवन में विपुल धनैश्वर्य उपभोग करेंगी।

आपका शारीरिक स्वरूप दर्शनीय रहेगा एवं प्रारम्भ से ही आपके मन में दानशीलता की भावना रहेगी। अतः यथा शक्ति समय समय पर अपनी इस प्रवृति का अनुपालन करती रहेंगी। आपकी बुद्धि तीव्र होगी एवं सादगी पूर्ण जीवन बिताने की आप इच्छुक रहेंगी तथा आवश्यक दिखावे की आप यत्नपूर्वक उपेक्षा करेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में एक श्रेष्ठ विदुषी के रूप में भी आपकी प्रतिष्ठा तथा ख्याति रहेगी।

सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च।
जायते सुरगणे डणज्ञः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात देवगण का जातक अच्छी वाणी वाला, सरल बद्धि से युक्त, अल्प मात्रा में भोजन करने वाला, अन्य जनों के गुणों का ज्ञाता, महान विद्वानों द्वारा वर्णित गुणों से युक्त तथा वैभवशाली होता है।

वानर योनि में उत्पन्न होने के कारण आप में नैसर्गिक रूप से चंचलता का भाव रहेगा एवं आपके अधिकांश कार्य चंचलता से ही सम्पन्न होंगे। मीठे पदार्थो के भक्षण में आपकी तीव्र रूचि रहेगी तथा इनकी प्राप्ति के लिए आप उत्सुक तथा हमेशा तत्पर रहेंगी। धन प्राप्ति के प्रति आपके मन में तीव्र लालसा रहेगी एवं इसको प्राप्त करते समय आप आतुरता या अधीरता का भी प्रदर्शन करेंगी। आपकी संतति भी बुद्धिमान एवं गुणवान रहेगी। इस के साथ ही अन्य जनों से विवाद आदि में भी आपकी रूचि रहेगी तथा यदा कदा आपका अन्य लोगों से विवाद होता रहेगा। साथ ही आप वीरता के गुणों से भी युक्त रहेगी एवं साहस तथा निर्भयता पूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी।

चपलो मिष्टभोगी चार्थलुब्धश्च कलिप्रियः।
सकामःसत्प्रजःशूरोनरो वानरयोनिजः।।
मानसागरी

अर्थात् वानर योनि में उत्पन्न पुरुष चंचल, मीठी चीजों का खाने वाला, धन का लोभी, झगड़ों का प्रेमी, काम चेष्टा वाला, अच्छी सन्तान से युक्त एवं शूरवीर होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा पंचम भाव में स्थित है। अतः आप माता की परम प्रिय रहेंगी। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। धन धान्य से वे सर्वदा युक्त रहेंगी तथा जीवन में आपको प्रत्येक क्षेत्र में अपना सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही कला, नीति, विद्या आदि में भी आपको नित्य प्रोत्साहित करती रहेंगी एवं इनकी वृद्धि में उनका मुख्य सहयोग रहेगा। वे स्वभाव से भी अत्यन्त सुशील होंगी तथा आपको नित्य अच्छी शिक्षाएं देती रहेंगी।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

आप की भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञापालन के लिए नित्य तत्पर रहेंगी। जीवन में उनकी सेवा करना अपना कर्तव्य समझेंगी तथा अवसरानुकूल उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग एवं सहायता प्रदान करेंगी। आपके संबंध मधुर रहेंगे तथा किसी भी प्रकार से आपकी मतभेद नहीं रहेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति सप्तम भाव में है अतः पिता की आप प्रिय रहेंगी। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। आपके शुभ प्रभाव से धनलाभ प्राप्त करने में वे सफल होंगे तथा जीवन में सर्वप्रकार से आपकी सहायता एवं सहयोग करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपके विवाह कराने में उनका पूर्ण सहयोग रहेगा। साथ ही आप उनकी विश्वास पात्र भी होंगी।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी तथा उनकी आज्ञा पालन में भी नित्य रूचिशील रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा कुछ सैद्धान्तिक मतभेद भी होंगे जिससे सम्बन्धों में क्षणिक तनाव एवं कटुता उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समयोपरान्त सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप जीवन में उनकी सहायता करने के लिए भी तत्पर रहेंगी एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगी।

आपके जन्म समय में मंगल अष्टम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से वे अस्वस्थ रहेंगे। आप उनकी प्रिय रहेंगी तथा आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा। जीवन में आप समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में उन से आर्थिक तथा अन्य रूप से सहयोग अर्जित करती रहेंगी। धन धान्य का उनके पास अभाव नहीं रहेगा अतः यदा कदा विशिष्ट धन की प्राप्ति आप उनसे कर सकेंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह भाव रखेंगी एवं अवसरानुकूल सुख दुःख में उनको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध भी ठीक ही रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण इनमें तनाव तथा कटुता की स्थिति भी उत्पन्न होगी लेकिन कुछ समय बाद स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। साथ ही आप सुख दुःख में भी उनका सहयोग करने के लिए करने के लिए उद्यत रहेंगी।

आपके लिए वैशाख मास, चतुर्थी, नवमी तथा चतुर्दशी तिथियां, रोहिणी नक्षत्र, वैधृतियोग, शकुनि करण, मंगल वार चतुर्थ प्रहर एवं वृश्चिक राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फल दायक होंगे। अतः आप 15 अप्रैल से 14 मई के मध्य 4,9,14 तिथियों, रोहिणी नक्षत्र वैधृतियोग तथा शकुनि करण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही मंगलवार चतुर्थ प्रहर तथा वृश्चिक राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहे।

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति प्राप्त करने में असफलता या अन्य शुभ एवं

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

महत्वपूर्ण कार्यों में बाधाएं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव नृसिंह भगवान की श्रद्धापूर्वक पूजा करनी चाहिए तथा नियमित रूप से शनिवार के उपवास भी रखने चाहिए। साथ ही सोना, नीलम लोहा, पंच धातु, तिल तेल, कम्बल तथा चर्मपादुकाएं आदि पदार्थो का किसी सुपात्र को श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शनि के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 19000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए इससे आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
मंत्र- ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com